R.N.I. No. UPHIN/2023/86842 वर्ष : 02 अंक : 154 | लखीमपुर–खीरी, मंगलवार 22 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ – 04 मूल्य – 01

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संज्ञान दृष्टि

एक सम्पूर्ण अखबार

मोबाइल नं0–7080049049 | sangyandristinewspaper@gmail.com | website-Sangyannews.com | twitter-Sangyannews

लखीमपुर–खीरी, दिल्ली एनसीआर के साथ–साथ इंदौर, गौरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, लखनऊ, अयोध्या, गया (बिहार)

एक नज़र

लखनऊ– मंत्री राकेश सचान ने माटीकला मेले का उद्घाटन किया, दीपावली पर 30 अक्टूबर तक चलेगा 10 दिवसीय मेला, शिल्पकारों की कलाकृतियों का किया जा रहा है प्रदर्शन, माटीकला रोजगार योजना में 48,000 कारीगर परिवार चिन्हित, 880 लाभार्थियों को बैंक ऋण से औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, 50 स्टॉलों में शिल्पकारों की माटीकला उत्पादों का प्रदर्शन, लक्ष्मी–गणेश की मूर्तियां उत्पाद मेले का मुख्य आकर्षण।

लखनऊ– त्योहार को देखते हुए उत्तर रेलवे ने एडवाइजरी जारी की, दीपावली, छठ पूजा के दौरान चलने वाली ट्रेनों पर निगरानी, ज्वलनशील विस्फोटक सामग्री लेकर न करें यात्रा रेलवे, संदिग्ध वस्तुओं की तुरन्त सूचना देने की अपील, स्टेशनों, फुटओवर ब्रिज पर भीड़ न इकट्ठा करें–रेलवे।

बागपत– बीएसए ने शिक्षकों की छुट्टी पर लगाई रोक, बीईओ को शिक्षकों की छुट्टियां स्वीकृत न करने के आदेश, अधिकारी से सिफारिश कराने पर कार्रवाई चेतावनी, बागपत में पहली बार इस तरह का आदेश हुआ जारी, छुट्टी नहीं मिलने के आदेश से शिक्षक हो रहे परेशान, 22 नवंबर से 4 दिसंबर तक होनी बागपत ने नेट परीक्षा।

चंद्रचूड़ ने अयोध्या पर दिया बयान, भड़के सपा नेता राम गोपाल यादव ने सीजेआई के लिए ‘चू.. शब्द का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ अपने निष्पक्ष फैसलों के लिए जाने जाते हैं। प्रधान न्यायाधीश रहते हुए चंद्रचूड़ ने आम भारतीयों के मन में जो सम्मान और विश्वास पाया है वैसा कम ही देखने को मिलता है। ऐसे में तब हैरत होती है जब कोई राजनीतिज्ञ उनके खिलाफ टिप्पणी करे। यह हैरत तब और बढ़ जाती है जब देश के प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी की जाती है। हाल ही में गणेश उत्सव के दौरान जब प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने घर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया तो उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया गया। अब चंद्रचूड़ ने कहा है कि उन्होंने राम जन्मभूमि–बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की थी तब भी उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश पर निशाना साधते साधते समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव बहुत आगे बढ़ गये और जिस प्रकार की अमर्यादित टिप्पणी उन्होंने की है उससे सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या इतना लंबा राजनीतिक अनुभव रखने वाले व्यक्ति को सामान्य शिष्टाचार भी नहीं पता है? हम आपको बता दें कि अपने गृह राज्य महाराष्ट्र के खेड़ तालुका में स्थित अपने पैतृक गांव कन्हेरसर के निवासियों को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) आते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंच पाते। अयोध्या (राम जन्मभूमि–बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो तीन महीने तक मेरे सामने था। मैं ईश्वर के सामने बैठा और उनसे कहा कि उन्हें इसका समाधान ढूंढ़ना होगा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा, ‘‘मेरा विश्वास करें, यदि आपको भरोसा है, तो ईश्वर हमेशा कोई रास्ता निकाल देंगे।’’

हम आपको याद दिला दें कि देश के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की पांच–न्यायाधीशों की पीठ ने नौ नवंबर, 2019 को अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करके उस विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया था जो एक सदी से भी अधिक पुराना था। पीठ ने यह भी फैसला दिया था कि अयोध्या में ही वैकल्पिक पांच एकड़ के भूखंड पर मस्जिद बनाई जाएगी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ऐतिहासिक फैसला सुनाने वाली पीठ का हिस्सा थे।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधान न्यायाधीश इस वर्ष जुलाई में अयोध्या में राम मंदिर गये थे और पूजा–अर्चना की थी। प्रधान न्यायाधीश के बयान पर जब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव से प्रतिक्रिया मांगी गयी तो वह भड़क गये और कहा कि जब भूतों को जिंदा करते हो, मुर्दों को, तो भूत बन जाते हैं और जनता के पीछे पड़ जाते हैं। तमाम चू...ये इस तरह की बात करते हैं।’’ हालांकि अपने बयान पर विवाद खड़ा होने पर राम गोपाल यादव मीडिया के समक्ष सफाई देते हुए नजर आये। उधर, भाजपा ने प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ आये बयान की निंदा करते हुए कहा है कि विपक्ष में ऐसे दल शामिल हैं जो अपने पक्ष में फैसला आने पर खुश होते हैं लेकिन अगर फैसला उनके मन मुताबिक नहीं है तो वह पूरे लोकतंत्र, संविधान और न्याय पालिका पर ही सवाल उठा देते हैं।

सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों का वर्दी भत्ता बढ़ाने की घोषणा की, 58 करोड़ का पड़ेगा व्यय भार

उ0प्र0। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत की वृद्धि, बैरक में रहने वाले आरक्षियों के पुलिस अकोमोडेशन अलाउंस में 25 प्रतिशत की वृद्धि और राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय खेलकूद में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आहार समेत अन्य मदों के लिए अगले वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपये बढ़ाने की घोषणा की। इन घोषणाओं पर प्रदेश सरकार 115 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी।

सीएम योगी ने बहु मंजिला आवास और प्रशासनिक भवन के रखरखाव के लिए 1,380 करोड़ रुपए के कॉरपस फंड की घोषणा की। वहीं अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पुलिस बल पर आने वाले खर्च पर प्रस्तावित शुल्क लगाने की स्वीकृति की, जो पुलिस महानिदेशक के अधीन रहेगा। साथ ही इसका सम्मान प्रस्तावित कॉरपस नियमावली के तहत किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवगंत शहीद पुलिस कर्मियों को याद किया।

दो शहीद पुलिसकर्मियों को सीएम ने दी श्रद्धांजलि–मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर सोमवार को पुलिस लाइन में दो शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को सम्मानित भी किया। हर साल 21 अक्तूबर को प्रदेश में शहीद हुए पुलिसकर्मियों की याद में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया जाता है। इस साल दो पुलिस कर्मी रोहित कुमार व सचिन राठी को श्रद्धाजंलि अर्पित की गई।

115 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को दी 36.20 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता–मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्तव्यों का पालन करते हुए शहीद पुलिस कर्मी, केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों तथा भारतीय सेवा में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 115 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को 36 करोड़ 20 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है। वहीं जिलों में तैनात पुलिस कर्मियों की सुख सुविधा के लिए 3 करोड़ 50 लाख, कल्याण के लिए 4 करोड़, कार्यरत, सेवानिवृत पुलिसकर्मी एवं उनके आश्रितों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 2,66 दावों के निस्तारण के लिए 30 लाख 56,000 रुपए की राशि दी गयी। इसी तरह पांच लाख से अधिक चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 3,12 प्रकरण के लिए 12 करोड़ 60 लाख, 135 पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों की गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए अग्रिम ऋण के रूप में 5 करोड़ 5 लाख , जीवन बीमा योजना के तहत 3,06 मृतक पुलिस कार्मिकों के आश्रितों की सहायता के लिए 9 करोड़ 8 लाख रुपए, पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों द्वारा कराए गए कैशलेस उपचार के तहत 31 लाख 16 हजार रुपए, पुलिस कार्मिकों के 205 मेधावी छात्रों को शिक्षा निधि के माध्यम से 53 लाख 30,000 रुपये की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया।

गैंगस्टर एक्ट के तहत 77,811 अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई–सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 2017 के बाद पुलिस विभाग के विभिन्न पदों पर 1,54,000 से अधिक भर्तियां की गयीं। इसमें 22,000 से अधिक महिला कार्मिक शामिल हैं। वहीं विभिन्न राजपत्रित पदों पर एक लाख 41,000 से अधिक कार्मिकों को पदोन्नति दी गयी।

वर्तमान में 60,000 से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में शांति और कानून का राज्य स्थापित करने के लिए पिछले 7 वर्ष में 17 जवानों ने अप्रतिम शौर्य का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त किया जबकि 1,618 पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रदेश में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए गैंगस्टर एक्ट के तहत 77,811 और 9,23 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। माफिया और अपराधी गिराहों के 68 मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर 31 माफिया तथा उनके 66 सहयोगियों को आजीवन कारावास की सजा दिलायी गयी। इसके अलावा दो को फांसी की सजा हुई है।

धार्मिक स्थलों से एक लाख से अधिक लाउडस्पीकर उतारे गये–सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में एक अभियान के तहत धार्मिक स्थलों से 1,08,037 से अधिक लाउडस्पीकर उतारे गए या उच्चतम न्यायालय की गाइडलाइन के अनुसार उनकी ध्वनि नियंत्रित की गयी। 31 मई 2017 से 2 अक्टूबर 2024 तक पुलिस द्वारा दो करोड़ 68 लाख से अधिक स्थानों पर फुट पेट्रोलिंग के माध्यम से सुरक्षा का एक बेहतर वातावरण प्रस्तुत किया गया।

सीडीओ ने की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा, दिए निर्देश

अनिल कुमार श्रीवास्तव

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। सम्पूर्ण देश के लगभग 01 करोड़ घरों को नवीकरणीय ऊर्जा योजना से रौशन करने के उद्देश्य से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा लांच की गयी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जनपद में क्रियान्वयन की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा करते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने पाया कि लक्ष्य 20 हजार के सापेक्ष कम प्रगति पर विद्युत विभाग व वैकल्पिक ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक लोगों को योजना के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान कर लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। उन्होनें अधिकारियों को सुझाव दिया कि जनपद के उद्यमियों, व्यापारियों, प्रगतिशील किसानों व अन्य सक्षम व्यक्तियों को योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय कर अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित किया जाय।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु कोई भी व्यक्ति अपने एण्ड्रायड मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सम्बन्धित पीएम सूर्य घर ऐप व आइओएस पीएम–सूर्य घर ऐप को डाउनलोड कर सकते हैं। इस योजना में बैंको द्वारा पीएम सूर्य घर नवीकरणीय ऊर्जा योजना के तहत इच्छुक व्यक्तियों को सोलर रूफटाप स्थापना हेतु ब्याज पर लोन की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। परियोजना अधिकारी (यूपी नेडा) कमलेश सिंह यादव ने बताया कि सोलर रूफटाप स्थापना के लिए इच्छुक व्यक्ति जन समर्थ पोर्टल के लिंक जनसमर्थ डाट इन सोलर–रूफ–टाप–स्कीम पर जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। बैठक के दौरान बताया गया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अन्तर्गत एक किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटाप के लिए केन्द्रानुदान 30,000 व राज्यानुदान रू. 15,000 कुल अनुदान रू. 45,000 निर्धारित है। तथा दो किलोवाट क्षमता के लिए केन्द्रानुदान 60,000 व राज्यानुदान रू. 30,000 कुल अनुदान रू. 90,000 निर्धारित है। तीन किलोवाट से लेकर दस किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटाप की स्थापना पर लाभार्थी को कुल लागत के सापेक्ष केन्द्रानुदान 78,000 व राज्यानुदान रू. 30,000 कुल रू. 1,08,000 का अनुदान मिलेगा तथा शेष धनराशि लाभार्थी का अंशदान के रूप में देनी होगी। बैठक में विभिन्न बैंकों के जिला प्रतिनिधि, बैंकर्स एवं विद्युत विभाग के सभी अधिशासी अभियंता, योजना के अधिकृत वेंडर मौजूद रहे।

सोलर रूफटॉप लगवाकर बिजली बिल से पाएं छुटकारा, सरकार भी देगी सब्सिडी

आमजन को योजना के बारे में प्रेरित करने के लिए सीडीओ ने दिए अफसरों को दिये निर्देश

सरकारी अनुदान के साथ लाभार्थी ले सकता बैंक से ऋण

गणित के सवाल नहीं हल कर सके बच्चे, सीडीओ खफा, बीईओ से मांगा स्पष्टीकरण

शिक्षक बनकर पहुंचे सीडीओ, बच्चों ने नहीं दिया गणित के प्रश्नों का जवाब तो टीचर पर हो गया एक्शन

दो शिक्षिकाओं को प्रतिकूल प्रविष्टि, अग्रिम आदेशों तक वेतन बाधित, नोटिस जारी

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। सीडीओ अभिषेक कुमार ने सोमवार को बीआरसी परिसर छाउछ में संचालित संविलियन विद्यालय छाउछ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सीडीओ ने बच्चों से गणित के सवाल हल कराए, मगर वह हल नहीं कर सके और हिंदी की किताब भी ठीक से नहीं पढ़ सके। इस पर सीडीओ ने बीईओ सुभाष वर्मा को कड़ी फटकार लगाते हुए शिथिल पर्यवेक्षण के लिए स्पष्टीकरण तलब किया। वहीं दो शिक्षिकाओं को प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए वेतन रोकने और नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के लिए संविलियन विद्यालय छाउछ पहुंचने पर सीडीओ अभिषेक कुमार ने देखा कि अध्यापिका द्वारा कक्षा सात के बच्चों को हिंदी विषय पढ़ाया जा रहा था। सीडीओ के पूछने पर छात्रा शुभी से पर्यायवाची शब्द का अर्थ का सही जवाब दिया। छात्र जुब्राइल व अथर्व हिंदी की पुस्तक भी पढ़वाई। पर वह ठीक से नहीं पढ़ सके। इस पर गहरी नाराजगी जताई। सीडीओ ने क्रमश कक्षा 6, 7 और 8 की क्लास में जाकर गणित के प्रश्नों को जब बच्चों से हल करवाया तो बच्चे संतोषजनक ढंग से प्रश्न हल नहीं कर सके।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापिका और गणित की शिक्षिका गीता रानी व सहायक अध्यापिका/ हिंदी विषय की शिक्षिका मंजुला बरनवाल को प्रतिकूल प्रविष्टि देने, अग्रिम आदेशों तक वेतन बाधित करने के साथ–साथ नोटिस जारी किये जाने का निर्देश दिया। सीडीओ स्वयं पूरी तरह से एक शिक्षक की भूमिका में आ गये और बच्चों व शिक्षिका को गणित का ज्ञान देने के साथ ही साथ गणित विषय को पढ़ाने के आसान और रुचिकर तरीकों के बारे में शिक्षिका को समझाया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में साफ सफाई पर गहरा असंतोष जताया। भविष्य के लिए सचेत करते हुए कहा कि यदि इसकी पुनरावृत्ति मिली तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने शौचालय की क्रियाशीलता भी जांची। निरीक्षण में विद्यालय की खेल सामग्री धूल फकती नजर आई। इस पर कड़ी फटकार लगाई। सीडीओ ने कहा कि डीएम ने निर्देश का अनुपालन करते हुए बच्चों के शैक्षिक हित में तीन दिवस के अध्ययन के उपरान्त पढ़ाए गए पाठों का रिवीजन अनिवार्य रूप से कराये, ताकि छात्र–छात्राएं पढ़ाई गई सामग्री को गहराई से आत्मसात कर सके। पीयर लर्निंग के माध्यम से छात्रों की दक्षता बढ़ाने का निर्देश दिया गया। मिड डे मील में मीनू के अनुसार रसोइया द्वारा रोटी सब्जी तैयार की गई।

प्राथमिक सेक्शन मिला बेहतर, शिक्षिका की तारीफ, बच्चों को बाटी चॉकलेट, दुलारा– संविलियन विद्यालय छाउछ के प्राथमिक सेक्शन में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर मिली। कक्षा एक में शिक्षिका सिताशु वर्मा पढ़ाती मिली। सीडीओ के पूछने पर छात्रा अनुराधा ने गिनती और साईमा ने छह का पहाड़ा सुनाकर शाबाशी पाई। सीडीओ ने बच्चों को दुलारा और चॉकलेट का वितरण भी किया।

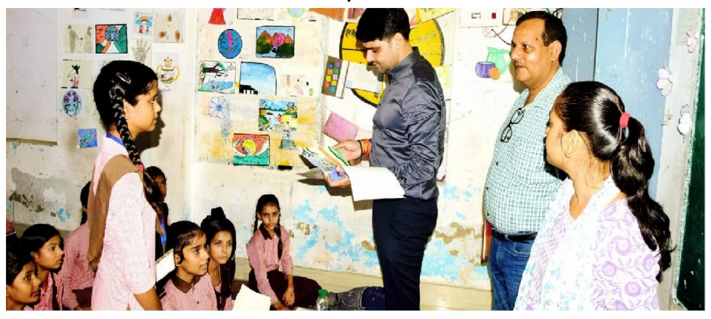

लखीमपुर में कव्वालियों का धमालः ‘‘सारे रसूलों से जुदा रुतबा मेरे सरकार का’’

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर (संज्ञान दृष्टि)। दशहरा मेले के सांस्कृतिक मंच पर रविवार रात आयोजित कव्वालियों का कार्यक्रम श्रोताओं के दिलों पर गहरी छाप छोड़ गया। शाहजहांपुर के साबिर चिश्ती और बरेली की जेबा रानी की टीम ने एक–दूसरे को जवाब देते हुए ऐसी कव्वालियां पेश कीं कि पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, जिसके बाद साबिर चिश्ती ने अपने काव्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने नातिया कलाम ‘‘सारे रसूलों से जुदा रुतबा मेरे सरकार का’’ पढ़कर पूरे पंडाल में ‘‘सुभान अल्लाह’’ की गूंज उत्पन्न की। साबिर चिश्ती की मन्कबत, जिसमें उन्होंने ख्वाजा के दरबार की महिमा का वर्णन किया, ने भी सभी को भावुक कर दिया।

इसके बाद, बरेली की जेबा रानी ने ‘‘क्या खाक मजा आए आए हैं मुझे जीने में’’ सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में अन्य प्रमुख कव्वालियां भी पेश की गईं, जिनमें ‘‘ख्वाजा पिया हिन्द लवलिया मेरी झोली खाली’’ जैसी रचनाएं शामिल थीं। जेबा रानी की वतन परस्ती की कव्वाली ने श्रोताओं के दिलों में देशभक्ति का जज्बा जगाया। कार्यक्रम का संचालन राममोहन गुप्ता ने किया, जबकि मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री हाजी आर. ए. उस्मानी रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि अशद रसीद, शबनम परवीन उस्मानी, अब्दुल मन्नान और अंजुम आरा, सभासद दीपक रस्तोगी, बजरंग शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस अद्भुत सांस्कृतिक कार्यक्रम में तालियों की गड़गड़ाहट और ‘‘सुभान अल्लाह’’ के नारे गूंजते रहे, जिससे यह शाम एक यादगार बन गई। कव्वालियों का यह शानदार कार्यक्रम सुबह तक चला, जिसमें श्रोताओं ने जमकर आनंद लिया।

सम्पादकीय

जंगल बचाने का अहम सवाल

हरियाणा–जम्मू–कश्मीर में नयी सरकारों के गठन और महाराष्ट्र–झारखंड में जोर पकड़ रही चुनावी तैयारियों के बीच छत्तीसगढ़ से आई एक जरूरी खबर पर चर्चा की दरकार है। खबर ये है कि सरगुजा जिले के फतेहपुर और साली गांवों के पास करीब 5,000 पेड़ों की कटाई के मामले को लेकर स्थानीय निवासियों और पुलिस प्रशासन के बीच झड़प हो गई, जिसमें दोनों ही पक्षों को चोटें आई हैं। सरकारी ड्यूटी पर तैनात जिन लोगों को शारीरिक चोट पहुंची है, उनका इलाज और मुआवजा दोनों सरकार के जिम्मे पूरा हो जाएगा, लेकिन प्रदर्शनकारियों का भविष्य क्या होगा, ये कोई नहीं जानता। दरअसल ये सारा प्रदर्शन और सरकार के खिलाफ सीधा मोर्चा खोलने का फैसला भविष्य के सवाल से ही जुड़ा है। इंसानों के साथ–साथ जल, जंगल, जमीन और समूची प्रकृति के भविष्य का यह सवाल है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य में पेड़ों को बचाने की लड़ाई लंबे वक्त से चल रही है। 1,500 किलोमीटर क्षेत्र में फैला यह घना जंगल छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों का निवास स्थान है। इस घने जंगल के नीचे लगभग पांच अरब टन कोयला दबा है। इस वजह से पूंजीपतियों और पूंजीवादी सरकारों की गिद्ध दृष्टि यहां टिकी हुई है।

इस इलाके में खनन बहुत बड़ा व्यवसाय बन गया है, लेकिन स्थानीय लोग इस खनन का लगातार विरोध कर रहे हैं। क्योंकि इसके लिए बड़ी बेदर्दी से जंगल को काटा जा रहा है और यहां की जैव विविधता के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। इस समय यहां पर पेड़ों की कटाई राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) को दिए गए परसा कोल ब्लॉक खनन परियोजना के तहत की जा रही है। बीते गुरुवार को भी पेड़ों की कटाई होनी थी, लेकिन बुधवार से ही लोग यहां जमा हो गए। ताकि अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका जा सके। सरकार की तरफ से भी पर करीब 400 पुलिस और वन विभाग के कर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस का कहना है कि स्थानीय लोग लकड़ी के डंडे, तीर और कुल्हाड़ी से लैस थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस के लाठी चार्ज के बाद उन्होंने जवाबी हमला किया। जबकि इन आरोपों से इंकार करते हुए सरगुजा के पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल का कहना है श्ग्रामीण हिंसक हो गए और उन्होंने हम पर हमला कर दिया। उन्हें रोकने और तितर–बितर करने के लिए हमने उचित जवाब दिया। छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्ता में आते ही पिछले साल दिसंबर में हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा पूर्व और केते बासन (पीईकेबी) के दूसरे चरण विस्तार के तहत कोयला खदान के लिए पेड़ काटने की कवायद बड़े पैमाने पर हुई थी। तब भी यह काम पुलिस के सुरक्षा घेरे में किया गया था। इससे पहले वन विभाग ने मई 2022 में पीईकेबी चरण–2 कोयला खदान की शुरुआत करने के लिए पेड़ काटने की कवायद शुरू की थी, तब भी स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया था। बाद में इस कार्रवाई को रोक दिया गया था। अब स्थानीय प्रशासन ने दावा किया है कि उसके पास पीईकेबी–ढ्ढढ्ढ में पेड़ काटने के लिए सभी आवश्यक अनुमतियां हैं, जो पीईकेबी–ढ्ढ खदान का विस्तार है। अब सवाल यह है कि पेड़ काटने की जिन आवश्यक अनुमतियों के दावे हो रहे हैं, उसके निहितार्थ क्या हैं। सत्ता और प्रशासन में बैठे लोगों और पूंजीपतियों, उद्योगपतियों के बीच सांठ–गांठ का खेल सदियों से चला आ रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति का बेदर्दी से दोहन किया जाता है और आने वाली पीढ़ियां उसका भुगतान करती हैं। अभी पूरी दुनिया में जलवायु गर्म होने, ग्लेशियर के पिघलने, अकाल और बाढ़ जैसी स्थितियों के निर्मित होने पर चर्चाएं होती हैं, लेकिन इनका हल कुछ नहीं निकलता, क्योंकि अनाप–शनाप खर्चों पर हाथीदांत की जिन मीनारों पर चढ़कर ये विमर्श होते हैं, वहां से जमीनी सच्चाई नजर नहीं आती है। भारत भी इन चर्चाओं में अहम भागीदारी करता है और हमारे प्रधानमंत्री तो पर्यावरण बचाने के अचूक मंत्र वेद–पुराणों से निकालकर लाते हैं। लेकिन उनके अपने शासन के 11 सालों का हासिल ये है कि देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण के नए झंडे गाड़ रही है। इसलिए पेड़ काटने की सरकारी सहमति और असहमति के बीच जरूरी मुद्दा यह है कि हजारों सालों में जो जंगल तैयार हुआ है, उसे मिनटों में उजाड़कर इन नुकसान की भरपाई कैसे की जाएगी। गौरतलब है कि हसदेव अरण्य को 2010 में कोयला मंत्रालय एवं पर्यावरण एवं जल मंत्रालय के संयुक्त शोध के आधार पर पूरी तरह से श्नो गो एरियाश घोषित किया था, अर्थात वहां प्रवेश निषिद्ध था, लेकिन इस फैसले को कुछ महीनों में ही रद्द कर दिया गया था और खनन के पहले चरण को मंजूरी दे दी गई थी। बाद में 2013 में खनन शुरू हो गया था। यह समझना कठिन नहीं है कि किन लोगों के दबाव में एक जरूरी फैसले को कुछ महीनों में रद्द कर दिया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक दावा है कि परसा खनन परियोजना के कारण 700 लोग विस्थापित होंगे और 840 हेक्टेयर घने जंगल नष्ट हो जाएंगे। वन विभाग की 2009 की जनगणना के अनुसार, लगभग 95,000 पेड़ इस परियोजना के कारण काटे जाएंगे। लोगों को तो फिर भी किसी तरह दूसरी जगह बसाया जा सकता है, लेकिन एक बार जो पेड़ कट जाएंगे, क्या उसमें पलने वाले जीव–जंतुओं को संरक्षित किया जा सकेगा, क्या इतनी जल्दी इतना विशाल जंगल खड़ा किया जा सकेगा, इन सवालों के जवाब भी पेड़ काटने की अनुमति का कागज दिखाने वालों को देना चाहिए। बहरहाल, गुरुवार को हुई झड़प की घटना पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक पोस्ट में कहा है कि, हसदेव अरण्य में पुलिस बल के हिंसक प्रयोग के जरिये आदिवासियों के जंगल और जमीन को जबरन हड़पने का प्रयास आदिवासियों के मौलिक अधिकारों का हनन है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के दौरान हसदेव जंगल को न काटने का प्रस्ताव विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था– श्सर्वसम्मतिश का मतलब विपक्ष यानी भाजपा की संयुक्त सहमति है। लेकिन, सरकार में आते ही उन्हें न तो यह प्रस्ताव याद आया और न ही हसदेव के इन मूल निवासियों की दुर्दशा और अधिकार। राहुल गांधी ने एक वाजिब बिंदु की तरफ इशारा किया है कि जब पहले हसदेव के जंगल न काटने में भाजपा की भी सहमति थी, तो अब उसे यह सहमति याद क्यों नहीं है। यहां कांग्रेस या भाजपा या किसी अन्य दल से ऊपर उठकर केवल जंगल को बचाने के बारे में विचार हो, यही सबके लिए बेहतर होगा।

हरियाणा की तरह महाराष्ट्र और झारखंड हाथ से न जाने दे विपक्ष!

2024 लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी जो कमजोर होते नजर आए थे उसकी कुछ भरपाई उन्होंने हरियाणा जीत कर कर ली और अगर अब महाराष्ट्र, झारखंड में इंडिया गठबंधन उन्हें नहीं रोक पाया तो वे फिर वापस 2024 लोकसभा चुनाव के पहले की मजबूत स्थिति में पहुंच जाएंगे।

यह दोनों विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए मुश्किल हैं। मगर हरियाणा तो करीब–करीब असंभव था। लेकिन कांग्रेस हारी। समझने की बात यह है कि वहां भाजपा नहीं जीती बल्कि कांग्रेस ने खुद अपनी गलतियों से हार को चुना। और यह गलतियां कोई नई नहीं हैं वही पुरानी गुटबाजी, अतिआत्मविश्वास जिसने पिछले दिनों राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ हराया उसी की पुनरावृति है। अगर याद करो तो आप इनसे पहले पंजाब, उत्तराखंड भी इसी तरह हारे थे। गुजरात भी। 2017 में गुजरात में भाजपा को सौ के नीचे रोक दिया था। खुद 182 में से 77 सीटों पर जीती थी। और 2022 में कांग्रेस ने वहां बेमन से चुनाव लड़ा। राहुल केवल एक बार वहां गए। नतीजा बीजेपी ने रिकार्ड 156 सीटें जीतीं। और कांग्रेस 77 से सीधे 17 पर। यह बैक ग्राउन्ड बताना इसलिए जरूरी है कि कांग्रेस ने इन हारों से कुछ नहीं सीखा। वह लोकसभा में 99 सीटें लाकर और भाजपा को 240 पर रोककर बहुत इत्मिनान में है। बीजेपी कमजोर हुई। प्रधानमंत्री मोदी पर इसका असर पड़ा। लोकसभा में राहुल गांधी उनके सामने गरजे। यहां तक कि जो मोदी कभी दखलंदाजी नहीं करते वे भी नेता प्रतिपक्ष राहुल के चर्चित भाषण कि देश को कमजोर किया जा रहा है, नफरत और साम्प्रदायिकता फैलाई जा रही है के बीच में उठकर बोलने की कोशिश की। मगर राहुल ने उन्हें सटीक जवाब देते हुए कहा कि नो नो नो! हिन्दू नहीं भाजपा और संघ हैं जो साम्प्रदायिकता फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री जी गलत बात मत कीजिए। राहुल के उस भाषण ने राजनीति की दिशा बदल दी थी। उसके बाद राहुल ने कहा कि 56 इंच की छाती खत्म हो गई है अब वह मेरे किसी भाषण के दौरान मेरे सामने नहीं बैठेंगे। और निश्चित रूप से उसके बाद जिस तरह लेटरल एंट्री वापस लेनी पड़ी, वक्फ बिल जेपीसी को देना पड़ा, ब्राडकास्ट बिल वापस लिया, बजट में लाया कैपिटल गैन टैक्स वापस लिया उसने बताया कि मोदी जी अब कमजोर हो रहे हैं। लेकिन मोदी का कमजोर होना और कांग्रेस का ताकतवर होना दोनों अलग–अलग बातें हैं। मोदी को कमजोर हुए मगर कांग्रेस अपनी सेहत बनाने के मामले में लापरवाह ही रही। उसकी जीतते जीतते हारने की कमजोरी दूर नहीं हुई। कांग्रेस जम्मू–कश्मीर पर थोड़ा इतराती है। मगर भूल जाती है कि अभी तक की सबसे कम सीटें उसे इस बार मिली हैं। केवल छह। वह तो नेशनल कांन्फ्रेंस ने इज्जत बचाई नहीं तो वहां कांग्रेस कुछ भी नहीं कर पाई। जम्मू जो उसका पुराना कार्यक्षेत्र था वहां वह बुरी तरह साफ हो गई। केवल एक सीट मिली। पांच कश्मीर ने दीं। जम्मू में कांग्रेस 29 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जिसमें से एक राजौरी सीट पर जीती और भाजपा ने यहां आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 29 सीटों पर जीत हासिल की। और एक मजेदार तथ्य यह कि नेशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू संभाग से 6 सीटें जीतीं। मतलब 2024 लोकसभा के अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनाने में असफल रही और जम्मू–कश्मीर में सरकार बनाने में नेशनल कान्फ्रेंस की कोई खास मदद नहीं कर पाई। 55 विधायकों का समर्थन है। उमर अब्दुल्ला के पास। कांग्रेस के 6 के बिना भी 90 की विधानसभा में बहुमत। 49 विधायक। कांग्रेस को सोचना होगा। ईवीएम की गड़बड़ी है। बहुत सवाल हैं मगर सारा दोष उस पर डालकर खुद की गुटबाजी, सही फैसले नहीं लेने, केजुअल एप्रोच, चुनाव पूर्व तैयारी न करने जैसे कई मुद्दों पर भी कांग्रेस को सोचना होगा। वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां होती हैं। बीजेपी विपक्ष के वोट कटवाती है, अपने वोट बढ़वाती है यह आरोप पिछले दस सालों से लग रहे हैं। लेकिन कांग्रेस चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पर ध्यान नहीं देती। भाजपा के पन्ना प्रमुख पर व्यंग्य करती है, खिल्ली उड़ाती है मगर यह नहीं देखती कि वे कितना काम करते हैं और भाजपा के लिए उपयोगी साबित हुए। बूथ मैनेजमेंट आज के चुनाव की सबसे बड़ी जरूरत बन गए हैं। मगर कभी सुना नहीं कि कांग्रेस बूथ मैनेजमेंट, बूथ के अंदर पोलिंग एजेन्ट, मतदान के दिन काउन्टिंग एजेन्ट के प्रशिक्षण के लिए कुछ करती हो। मतदान के खत्म होने के बाद किस तरह ईवीएम के नंबर लेना है। ईवीएम का क्लोज बटन अपने सामने दबवाना है। इसके बाद उन फार्मों पर जिन पर पोलिंग बुथ पर कितने वोट पड़े की संख्या होती है साइन करना है। उसकी कापी लेना है और मतगणना से पहले तक स्ट्रांग रूम जहां ईवीएम मशीने रखी हैं उनकी निगरानी करना है। यह सारे काम अब करने की जरूरत है। चुनाव आयोग पर आरोप सही हैं। लेकिन विपक्ष को अपनी तरफ से भी कोई कसर छोड़ना नहीं चाहिए। पहले भी बताया कि कांग्रेस ने तो 2018 में दिल्ली में हुए अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में ईवीएम के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया था। मगर उसके बाद दो लोकसभा चुनाव हो गए। और कई विधानसभा। तो जब तक बीजेपी की केन्द्र में सरकार है चुनाव के तौर–तरीकों में बदलाव होना संभव नहीं दिखता। सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम के खिलाफ कोई राहत नहीं दी। तो अब दो ही रास्ते हैं। एक जनता को ज्यादा से ज्यादा मोबलाइज करके वोट ज्यादा डलवाना। और दूसरे विपक्ष की अपनी तरफ से वह सारे काम करना वोटिंग लिस्टों के अंतिम प्रकाशन से पहले उनमें सुधार करवाना, लोगों को पोलिंग बूथ तक ले जाना, पोलिंग बूथ पर आखिरी क्षणों तक कड़ी निगरानी, उसके बाद फार्म 17 सी प्राप्त करना। गिनती में आखिरी तक रहना। गिनती से पहले मशीनों की निगरानी सब करना होगा। याद रहे 1977 के चुनाव में जनता पार्टी ने सारा जोर भारी मतदान करवाने और मतगणना केन्द्रोंकी निगरानी पर लगाया था। इसका पहले से इतना प्रचार किया था कि लगने लगा था कि कोई बड़ी गड़बड़ी होने वाली है। जबकि चुनाव से पहले भी सरकार और चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया था कि यह अफवाहें हैं ऐसा कुछ नहीं है। बाद में साबित भी हुआ कि कहीं न कोई कोशिश थी, और न कुछ हुआ। मगर जनता पार्टी के हो हल्ले ने उसके वोटरों और कार्यकर्ताओं में माहौल बना दिया था। और फिर सबको मालूम है कि 1977 लोकसभा जनता पार्टी जीती और प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी तक खुद हारीं।

आज विपक्ष को ऐसा ही माहौल बनाने की जरूरत है। तब तो भेड़िया आया भेड़िया आया ऐसे ही चिल्ला कर लोगों को एकजुट कर लिया था। आज तो वह संकट सामने ही है। और अपनी कई झलक दिखला चुका है। चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं हो रहे इस पर तो आज सबको शंका है। मगर विपक्ष को माहौल बनाना नहीं आता। अभी श्रीनगर में पूरे इन्डिया गठबंधन के नेता जुड़े। शपथ ग्रहण में शामिल हुए। उमर अब्दुल्ला को बधाई दी। और आ गए। सारे नेता वहां एक बैठक कर लेते। जम्मू–कश्मीर जीतने के बाद इंडिया गठबंधन के नेताओं ने आगे की रणनीति बनाई। एक मैसेज चला जाता। मीडिया में भी खबरें आतीं। सब नेताओं के एक साथ बैठे हुए फोटो आते। वीडियो बनता। माहौल बन जाता। कश्मीर डिक्लेयरेशन। श्रीनगर से फिर एक नई शुरूआत। यही तो करना है! बीजेपी पर आरोप लगाते रहते हैं कि वह हेडलाइन मैनेजमेंट करती है। हां करती है। आप को किसी ने रोका है? झारखंड और महाराष्ट्र जीत सकते हैं। लेकिन जीतने की पूरी कोशिश करनी होगी।

कच्ची उम्र का विवाह

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके।

यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है।

यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा–बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है।

अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

मेष :– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभ :– शासन–सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुन :– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्क :– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंह :– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुला :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिक :– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस–पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनु :– सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकर :– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभ :– अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीन :– पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

खाना खजाना / सेहत / ब्यूटी

हार्ट का रखना चाहते हैं ख्याल तो डाइट में शामिल करें ओट्स, जानिंए इसके फायदे

ओट्स के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में हम सभी को पता है। इसके फायदों की वजह से अमूमन लोग इसे अपने नाश्ते का हिस्सा बनाते हैं। वहीं वेट लॉस की जर्नी के दौरान भी लोग ओट्स का सेवन करते हैं। ओट्स एक फाइबर रिच ब्रेकफास्ट है। जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है। साथ ही आप इसके अनहेल्दी क्रेविंग्स से भी बच जाते हैं। बहुत कम लोगों को मालूम है कि ओट्स हमारे हार्ट के लिए भी फायदेमंद होता है।

वहीं हार्ट पेशेंट को अपनी डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी अपने दिल का ख्याल रखना चाहते हैं, तो आपको रोजाना अपनी डाइट में ओट्स को शामिल करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि हार्ट पेशेंट के लिए ओट्स किस प्रकार फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

बैड कोलेस्ट्रॉल होगा कम– ओट्स के सेवन का सबसे बड़ा फायदा यह भी है कि यह आपके शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता करता है। बता दें कि ओट्स में बीटा–ग्लूकन और सॉल्यूबल फाइबर अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह फाइबर आंत में जेल

जैसा पदार्थ बनाता है। जिससे कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम करने सहायता मिलती है। यह बॉडी में बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, जिससे हार्ट डिसीज का खतरा कम होता है।

ब्लड प्रेशर को करता है रेग्युलेट–अगर आप ओट्स को रोजाना डाइट में शामिल करते हैं, तो यह आपके ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है। जिस लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत रहती है, उनको ओट्स का सेवन जरुर करना चाहिए। क्योंकि ओट्स में हाई फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर को कम करने में सहायता करता है।

हार्ट फ्रेंडली तत्वों से भरपूर–वैसे तो ओट्स में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें अधिक पोषक तत्व ऐसे होते हैं, जो हार्ट हेल्थ पर अच्छा असर डालते हैं। दरअसल, ओट्स में पोटेशियम, मैग्नीशियम और आयरन जैसे जरूरी विटामिन और मिनरल्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। पोटेशियम सोडियम के प्रभावों को संतुलित करने और सामान्य रक्तचाप के स्तर को बनाए रखता है और मैग्नीशियम ब्लड प्रेशर और हार्ट रिदम को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वेट मैनेजमेंट में लाभकारी–जो लोग अपना वेट कम करना चाहते हैं, उनको ओट्स का सेवन करना चाहिए। क्योंकि यह एक लो कैलोरी फूड है, जिसमें फाइबर कंटेट ज्यादा पाया जाता है। वहीं ओट्स का सेवन लंबे समय तक खुद को फुल रखने में सहायता करता है। अगर आपका वेट ज्यादा नहीं होता है तो इसका हार्ट हेल्थ पर भी पॉजिटिव असर देखने को मिलता है। वहीं मोटापा हार्ट डिसीज के लिए रिस्क फैक्टर की तरह काम करता है।

घर पर कड़ाही में बनाएं रेस्टोरेंट स्टाइल टेस्टी बन डोसा, नोट कर लें रेसिपी

हम में से बहुत से लोगों को साउथ इंडियन डिश पसंद होती है। साउथ इंडियन डिशेज हेल्दी होने के साथ ही पेट को भी अच्छा खासा भर देती है। बता दें कि वेट लॉस के लिए न्यूट्रिशनिस्ट आपकी डाइट में इडली शामिल करने की सलाह जरूर देंगी। वहीं उत्पम और रागी डोसा जैसी चीजें भी वेट मैनेज करने के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। ऐसे में जब साउथ इंडियन की बात होती है, तो अक्सर डोसा का जिक्र जरूर होता है। हालांकि अब तक आपने तवे पर डोसा बहुत बार बनते हुए देखा होगा। लेकिन बैंगलुरु में डोसा कड़ाही में बनाया जाता है। बैंगलुरु का फेमस स्ट्रीट फूड बन डोसा के एक अलग और अनूठा स्वाद होता है। अगर आप कभी बैंगलुरु गए होंगे, तो शायद ही आपने इसका स्वाद चखा हो। लेकिन जिस लोगों ने इसका स्वाद नहीं लिया है, वह यह रेसिपी सीख सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बन डोसा की रेसिपी बनाते जा रहे हैं।

सामग्री–

डोसा के लिए 2 कप कच्चे चावल–

मेथी– चम्मच

पोहा– 1 कप

नारियल– 1 कप कद्दूकस किया हुआ

नमक– 1 चम्मच

तेल– 3 चम्मच

सरसों– 1 चम्मच

उड़द दाल– 1 चम्मच

मिर्च– 3 बारीक कटी हुई

करी पत्ते–

नमक– 1 चम्मच

चटनी के लिए– 1/4 कप कसा हुआ नारियल

हरी मिर्च– 1 चम्मच कटी हुई

अदरक– 1 चम्मच

भुने चने– 2 चम्मच

दही– 2 चम्मच

एक मुट्ठी धनिया पत्ती

स्वादानुसार नमक

ऐसे बनाएं डोसा–डोसा बनाने के लिए सबसे पहले मेथी और चावल भिगोकर पेस्ट बना लें। फिर नारियल, पोहा और पानी को मिलाकर एकदम स्मूथ घोल बना लें और इसको चावल वाले कटोरे में डाल दें। इसके बाद एक पैन में तेल गर्म करने के बाद उसमें मिर्च, करी पत्ता, सरसों और उरद दाल डालकर उसे चटकने दें और तड़के में बैटर एड करें। अब इसमें नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें और अप्पे पैन को गर्म करने के बाद बैटर डालकर इसे दोनों तरफ से पकाएं। इस आसान तरीके से बन डोसा बनकर तैयार हो जाएगा और इसको आप नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

बहराइच हिंसा पर अखिलेश यादव का बड़ा बयान, भाजपा पर लगाया दंगा कराने का आरोप...ये बताई वजह

मैनपुरी। मैनपुरी की करहल विधानसभा से तेज प्रताप यादव ने नामांकन किया। उनके नामांकन में आए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा। अखिलेश यादव ने कहा कि तेज प्रताप यादव भारी बहुमत से जीतकर जाएंगे। मैनपुरी के लोगों ने सपा और नेताजी का हमेशा साथ दिया है। करहल की जनता समाजवादी पार्टी को हमेशा चुनती रही है। इस बार चुनाव में पहले से अधिक समर्थन मिलेगा, जिसके चलते चुनाव परिणाम ऐतिहासिक होने वाला है। अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव में पीडीए से भाजपा घबराई हुई है। अब तो भाजपा पीडीए का नाम लेना भी भूल गई है। उन्होंने कहा कि चौनलों को चिंता थी कि तेज प्रताप ने तिलक कितना बड़ा लगाया है। विकास की कोई चिंता नहीं थी। समाजवादियों के विकास

को भाजपा ने रोकने का काम किया है। लोकसभा चुनाव की लड़ाई जीतने के बाद भाजपा थोड़ी बहुत रुकी है। भाजपा सारी संस्थाओं से खुद को ऊपर समझती है। अब जमीनों पर कब्जा करने का काम भी कर रही है। बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने बहराइच में जानबूझकर दंगा कराया है। वजह भी साफ है कि चुनाव आ गया है।

सवालों के जवाब न देने और राजनीतिक लाभ लेने के भारतीय जनता पार्टी ने ये साजिश रची है। वहां पर्याप्त प्रशासन और पुलिस का इंतजाम नहीं किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जिसको चाहे गिरफ्तार करा दे। पत्रकारों की भी कराई जा रही है।

एक सवाल के जवाब में कहा कि करहल की जनता के सामने मशीनरी का कोई दुरुपयोग नहीं हुआ। टिकट बंटवारे को लेकर कहा कि यह आपसी मामला है। हम हल निकाल लेंगे। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर में इंटरनल सर्वे में बीजेपी हार रही थी, इसलिए चुनाव रोका गया। उन्होंने कहा कि बार–बार मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के बाद भी कोई बदलाव नहीं आया। भाजपा किसी को न्याय नहीं दे सकती है। इस बार जनता पूरा हिसाब–किताब करेगी। ये सरकार जाने वाले लोगों की है। उनके पास समय नहीं है। उपचुनाव में जनता इन लोगों को हराकर विदाई का रास्ता खोल देगी।

चीन ने रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी–Xi की मुलाकात के बारे में पूछे गए सवालों को टाला

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्रालय ने रूस में इस सप्ताह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच संभावित मुलाकात के बारे में सोमवार को पूछे गए सवालों को टाल दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, "अगर कोई बात सामने आती है तो हम आपको सूचित करेंगे।" रूस के कजान में मंगलवार को शुरू हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी और शी भाग ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की कजान यात्रा से पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को नयी दिल्ली में कहा कि भारत और चीन के वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने के बारे में एक समझौते पर पहुंच गए हैं। मिस्री द्वारा घोषित समझौते पर बीजिंग से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के संबंधों में खटास आ गई थी। इस झड़प को पिछले कई दशक में दोनों देशों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष माना जा रहा है। चीन ने पिछले शुक्रवार को घोषणा की थी कि शी रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वह 'ग्लोबल साउथ' के लिए एकजुटता हासिल करने के वास्ते एक नये युग की शुरुआत को लेकर अन्य पक्षों के साथ मिलकर काम करेंगे।

आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों या विकासशील देशों को 'ग्लोबल साउथ' कहा जाता है। ब्रिक्स में मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नये सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय "न्यायपूर्ण वैश्विक विकास एवं सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना" है।

मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि शी छोटे–समूह और बड़े–समूह की बैठकों, 'ब्रिक्स प्लस' संवाद में भाग लेंगे और अपने महत्वपूर्ण विचार भी रखेंगे।

उन्होंने कहा कि शी अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य, ब्रिक्स व्यावहारिक सहयोग, ब्रिक्स तंत्र के विकास और आपसी हितों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अन्य नेताओं के साथ गहन विचारों का आदान–प्रदान भी करेंगे। उन्होंने कहा, "चीन अन्य पक्षों के साथ मिलकर ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के सतत विकास के लिए प्रयास करने को तैयार है, ताकि 'ग्लोबल साउथ' के लिए एकजुटता के माध्यम से ताकत हासिल करने और संयुक्त रूप से विश्व शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक नये युग की शुरुआत की जा सके।

बीजेपी ने जारी की महाराष्ट्र चुनाव की पहली लिस्ट, प्रदेश अध्यक्ष ठूंदानसम को कामठी से मैदान में उतारा

महाराष्ट्र। भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के

लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी की इस सूची में कुल 99 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जिनमें 71 वर्तमान विधायक भी हैं। पार्टी ने प्रमुख चेहरों जैसे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण–पश्चिम और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से टिकट दिया है। बीजेपी ने इस बार कुछ नए चेहरों को भी मौका दिया है। इस सूची में राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम प्रमुख है, जो नागपुर साउथ वेस्ट से चुनाव लड़ेंगे। तो वहीं जबकि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से मैदान में उतारा गया है। चंद्रशेखर कृष्णराव बावनकुले भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष हैं और 2 जनवरी 2022 को नागपुर स्थानीय प्राधिकरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य हैं। वे 13वीं महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य थे। इसके साथ ही वे ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा महाराष्ट्र के मंत्री, राज्य उत्पाद शुल्क मंत्रालय और 26 दिसंबर 2014 को नागपुर संरक्षक मंत्री भी नियुक्त किए गए थे। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बावनकुले ने 2004, 2009 और 2014 में वहां से चुने जाकर कामठी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें 2012 में देवेंद्र फड़नवीस की टीम में भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र राज्य इकाई का सचिव बनाया गया था। कैबिनेट विस्तार में उन्हें 10 जुलाई 2016 को राज्य आबकारी विभाग का प्रभार दिया गया। चंद्रशेखर बावनकुले का जन्म कामठी में एक मराठी तेली परिवार में हुआ था। उनकी शादी ज्योति बावनकुले से हुई और उनके दो बच्चे हैं।

प्रारंभिक जीवन–भाजपा नेता बावनकुले का जन्म और पालन–पोषण एक किसान परिवार में हुआ, जिसकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी। नागपुर के पास स्थित कोराडी वह स्थान है जहां उन्होंने विज्ञान संकाय में उच्च शिक्षा प्राप्त की और प्रथम वर्ष पूरा किया।

राजनीतिक कैरियर–बावनकुले का करियर नब्बे के दशक की शुरुआत में शुरू हुआ, उन्होंने "छत्रपति सेना" की शुरुआत की और 1994 तक इसका सामाजिक कार्य जारी रखा। इसके बाद वे 1995 में गोपीनाथ मुंडे और नितिन गडकरी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और 1995 में महाराष्ट्र में भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष बने। 1997 और 2002 में बावनकुले जिला परिषद सदस्य चुने गए। 2004 में वे पहली बार महाराष्ट्र विधानसभा के लिए कामठी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए। वे 2009 और 2014 में दो बार फिर से चुने गए। भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भाजपा ने 2019 में बावनकुले को विधानसभा चुनाव लड़ने का टिकट नहीं दिया। उनकी जगह उनकी पत्नी ज्योति को टिकट दिया गया, लेकिन बाद में उनसे भी टिकट वापस ले लिया गया।

विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों के बनाए मॉडल सबके मन को भाए

परिषदीय स्कूलों के बच्चों ने जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया

विज्ञान प्रदर्शनी में यूपीएस कन्या पसगवा ने तथा प्रश्न मंच में विकास क्षेत्र नकहा ने मारी बाजी

प्रांजल श्रीवास्तव

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। आज दिनांक 21 अक्टूबर 2024 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त विकास क्षेत्र से चयनित सर्वश्रेष्ठ 80 बच्चों ने पहले विज्ञान प्रश्नमंच में भाग लिया तथा फिर अपने विज्ञान मॉडलों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम से पूर्व बेसिक शिक्षा विभाग की गुणवत्ता टीम द्वारा बच्चों का रोली तिलक किया गया और उन्हें कार्यक्रम में सफलता की शुभकामनाएं दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन से हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय देवेश राय ने कहा कि विज्ञान बच्चों में सर्वांगीण विकास करती है। बच्चों के आचार विचार और सोच को एक विस्तृत रूप प्रदान करती है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने अनूठे मॉडल बनाएं हैं। विज्ञान द्वारा आओ करके सीखे प्रक्रिया बच्चों को सहजता से सिखाती है और बच्चों का सम्पूर्ण विकास करती है। उन्होंने सभी बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम के द्वारा बच्चों में वैज्ञानिक सोच का निर्माण होता है।

विज्ञान प्रश्न मंच में नकहा ने मारी बाजी–विज्ञान प्रश्न मंच में सभी विकास क्षेत्र की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक टीम में पांच–पांच बच्चों ने प्रतिभाग किया। फाइनल राउंड विकास क्षेत्र नकहा और बेहजम के बीच खेला गया जिसमें नकहा की टीम ने बाजी मारी और सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया।

विज्ञान प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ 5 छात्र–छात्रा जिन्हें टेबलेट दिया गया–विज्ञान प्रदर्शनी के पास सर्वश्रेष्ठ छात्रा छात्र चयनित किए गए जिन्हें टैबलेट प्रदान किया गया। जिनमें प्रथम स्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय कन्या विकास क्षेत्र पसगवां की आर्या, दूसरे स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय चटोरा विकास क्षेत्र मितौली के मोहम्मद सोहेल, तीसरे स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय खंभारखेड़ा विकास क्षेत्र फूलबेहड़ के निशांत, चतुर्थ स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय बीजापुर विकास क्षेत्र कुंभी के शशांक तथा पंचम स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय जगसड़ विकास क्षेत्र नकहा के अमित कुमार रहे।

इन चयनित बच्चों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय देवेश राय, खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार, निर्णायक डाइट प्रवक्ता अतुल मिश्रा और सैय्यद मोहम्मद एजाज द्वारा सम्मानित किया गया। 05 सर्वश्रेष्ठ मॉडल बनाने वाले बच्चों को टेबलेट, क्विज में सर्वश्रेष्ठ टीम को साइंस किट, सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र, स्टेशनरी किट, साइंस बुक आदि देकर सम्मानित किया गया।

निर्णायक मण्डल–निर्णायक मंडल में डाइट प्रवक्ता अतुल मिश्रा और राजकीय इंटर कॉलेज से सैय्यद मोहम्मद एजाज ने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करके निर्णय करने का कार्य किया। खंड शिक्षा अधिकारी बेहजम देवेश राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संयोजन जिला समन्वयक प्रशिक्षण विशाल गिरी ने किया। कार्यक्रम में समस्त एसआरजी, समस्त विकास क्षेत्रों के एआरपी, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर गुणवत्ता, छात्र छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

रकुल प्रीत सिंह ने बिस्तर पर आराम करते हुए मनाया पहला करवा चौथ

मुंबई। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह पीठ की चोट के कारण इन दिनों बिस्तर पर आराम कर रही हैं। वह बिस्तर पर आराम करते हुए अपना पहला करवा चौथ मना रही हैं। अभिनेत्री ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके हाथ मेहंदी से सजे नजर आ रहे हैं।

इस साल यह त्योहार रकुल प्रीत के लिए और भी खास हो गया है क्योंकि आज रकुल की सास का जन्मदिन भी है। आज का दिन इस अवसर को और भी अधिक खुशी और उत्साहित देता है। रकुल ने हाल ही में अभिनेता–निर्माता जैकी भगनानी से शादी की है और वह करवा चौथ के त्योहार का बेसब्री से इंतजार कर रही थीं। चोट लगने के बावजूद, अभिनेत्री अपने पति के साथ त्योहार मनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, क्योंकि रकुल और जैकी दोनों ने एक साथ व्रत रखने का संकल्प लिया है। अभिनेत्री को इस महीने की शुरुआत में अपने वर्कआउट सेशन के दौरान पीठ में गंभीर चोट लग गई थी, जब वह 80 किलोग्राम का डेडलिफ्ट कर रही थीं। सूत्रों ने पहले बताया था, रकुल पिछले कुछ दिनों से बिस्तर पर आराम कर रही हैं और स्थिति काफी डरावनी है। यह सब 5 अक्टूबर की सुबह शुरू हुआ, जब रकुल अपना वर्कआउट कर रही थीं। उन्होंने बेल्ट पहने बिना 80 किलोग्राम का डेडलिफ्ट किया, इसके परिणामस्वरूप उनकी पीठ में ऐंठन हो गई। हालांकि, अभिनेत्री ने खुद को बहुत मेहनत से संभाला और फिर भी चोट के गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी। चोट के कारण उनकी हालत गंभीर हो गई थी, जिसमें उनकी एल4, एल5, एल1 नसें काम करना बंद कर दी थीं। उन्हें जल्द ही पसीना आने लगा और उनका रक्तचाप कम हो गया, इसके कारण उन्हें बिस्तर पर रहना पड़ा। यहां तक कि उन्होंने अपना जन्मदिन भी दर्द में ही बिताया। सूत्र ने कहा, यह काफी घटना पूर्ण जन्मदिन था, इसमें उन्हें मांसपेशियों को आराम देने वाली दवाएं और इंजेक्शन दिए गए। रकुल हमेशा अपने शरीर को मजबूत रखने वाली महिला हैं। आराम करने के बजाय, उन्होंने शूटिंग जारी रखी, इसके कारण स्थिति गंभीर हो गई।

करण जौहर ने की खास दोस्त करीना कपूर की खिंचाई

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक सफल फिल्में देने वाले लोकप्रिय फिल्म निर्माता करण जौहर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें जौहर अपनी बेस्ट फ्रेंड करीना कपूर खान की सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के बारे में खुलकर बात करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान वह बेबो की खिंचाई भी करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो टॉक शो कॉफी विद करण के एक एपिसोड का है। वीडियो में करण जौहर बेबो की खिंचाई करते हुए कहते नजर आ रहे हैं कि उन्होंने कभी खुशी कभी गम के एक सीन में पूरी तरह से ओवर एक्टिंग की है। करीना कपूर और

शाहिद कपूर उस वक्त कथित तौर पर एक–दूसरे को डेट कर रहे थे। वीडियो में करण जौहर शो में शाहिद से कहते नजर आ रहे हैं कि करीना फिल्म के एक अंतिम संस्कार वाले सीन में रोती हैं। बाद में उन्होंने करण से पूछा कि फिल्म में किस किरदार की मौत हुई है। जब करण जौहर ने उन्हें बताया कि सीन में अमिताभ बच्चन की मां का किरदार था, तो करीना ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने ओवर एक्टिंग की है। हाल ही में एक कॉमेडी टॉक शो के दौरान करीना ने अपनी बहन के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जब उनसे करिश्मा के पहले बॉलीवुड क्रश के बारे में पूछा गया। इस पर करीना ने तुरंत जवाब दिया मुझे लगता है, सलमान खान, जिससे उनकी बहन लोलो हैरान रह गई और चौंक पड़ीं। एपिसोड में करीना ने यह भी खुलासा किया कि वह अपने पति सैफ अली खान के लिए सबसे पहले अपने प्यार का इजहार करने वाली थीं और यहां तक कि उन्होंने सैफ को अपने नाम का टैटू बनवाने के लिए भी मजबूर किया। करिश्मा ने यह भी बताया कि ऐसे कई मौके आए हैं जब उन्होंने अपनी बहन से फिल्में देखने के लिए कहा, लेकिन बाद में उन्हें निराशा हाथ लगी क्योंकि वे फिल्में देखने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थीं। शो में एक समय पर अभिनेता–कॉमेडियन स्त्रृष्णा अभिषेक अपने चाचा गोविंदा की पोशाक पहनकर आए। कृष्णा अभिषेक के साथ बातचीत करते हुए करिश्मा ने बताया कि वह गोविंदा के साथ एक दिन में ही गाने की शूटिंग कर लिया करती थीं।

सीडीओ ने ली जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक, दिए निर्देश

योजनाओं के हितग्राहियों को अधिक से अधिक दिलाए लाभ, बैंकर्स करे पूरी प्रतिबद्धता से काम : डीएम

शासन की महत्वाकांक्षी स्वरोजगार योजनाओं में बर्दाश्त नहीं होगा अनावश्यक विलंब

प्रांजल श्रीवास्तव

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। सोमवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक की। बैठक का संचालन अग्रणी जिला प्रबंधक अजय कुमार पांडेय ने किया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ ने कहा कि बैंकर्स पूर्ण मनोयोग से अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करें। निर्देश दिए कि बैंकर्स द्वारा केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के तहत हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाए जाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करें। विभागों द्वारा बैंकों को प्रेषित किए प्रकरणों की विस्तार से बैंकवार समीक्षा की तथा प्रगति की जानकारी ली। निर्देश दिए कि एक सप्ताह के विशेष अभियान चलाकर विभिन्न योजनाओं की बैंकों में लंबित फाइलों का यथा शीघ्र निस्तारण करें।

सीडीओ ने विभागवार बैंकों को प्रेषित प्रकरणों की वस्तुस्थिति

जानी एवं संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024–25 सभी लक्ष्यों की विभागवार समीक्षा कर लक्ष्य पूर्ति किए जाने के निर्देश दिए। डीसी स्वत रोजगार जितेंद्र कुमार मिश्र ने स्वरोजगार योजनाओं के तहत विभिन्न बैंकों को ऋण हेतु भेजी पत्रावलियों में स्वीकृत एवं अंतरण में अनावश्यक विलंब की बात कही। जिस पर सीडीओ ने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी स्वरोजगार योजनाओं में अनावश्यक विलंब किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीडीओ ने पीएम स्वनिधि योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम रोजगार सृजन कार्यक्रम, खादी एवं ग्रामोद्योग, जिला उद्योग केंद्र की ऋण योजनाओं की प्रगति, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन योजना की प्रगति, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना, पीएम जन धन योजना, डिजिटल आधारित भुगतान अर्थव्यवस्था, बैंकों द्वारा आंकड़ों का प्रेषण, शिकायतों का निस्तारण एवं फसल बीमा योजना पर चर्चा की।

सीडीओ ने कहा कि ऋण पत्रावलियों को शीघ्रता के साथ में अधिक आक्रामक तरीके से स्वीकृति दे, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन को गति मिलने के साथ–साथ जिले की रैंकिंग और बेहतर हो सके। बैठक में मुख्य रूप से आरबीआई के जिला अग्रणी अधिकारी श्रवण कुमार राम, प्रबंधक कृष्ण कांत कुमार, नाबार्ड के डीडीएम प्रसून सोनार, डीसी एनआरएलएम, डीडी कृषि अरविंद मोहन मिश्रा, जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी उपायुक्त उद्योग सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक मौजूद रहे।

एक नज़र

कानपुर– सीसामऊ उपचुनाव के नामांकन का आज तीसरा दिन, तीसरे दिन भी किसी प्रत्याशी ने नहीं कराया नामांकन, कुल तीन दिनों में अभी तक कोई नामांकन नही हुआ।

प्रयागराज– हाईकोर्ट ने बुलंदशहर के प्रिंसिपल की जमानत खारिज की, प्राथमिक विद्यालय के प्रिंसिपल को जमानत देने से इनकार, मार्च में छात्राओं के यौन शोषण का आरोप लगा था, छात्राओं को मोबाइल में 'अश्लील' चीजें दिखाने के आरोप थे।

हरदोई– डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शाहाबाद पहुंचे, केशव मौर्य ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'उत्तर प्रदेश में सपा ने जनता को गुमराह किया', 'गुमराह कर कुछ सफलता पाकर गुब्बारे की तरह फूले हैं', 'जनता उनकों पिचकाने का काम शुरू कर चुकी है', 'महाराष्ट्र, झारखंड, यूपी में हर तरफ कमल खिलेगा'।

अयोध्या– सीएम योगी के निर्देश पर महाभव्य होगा 8वां दीपोत्सव, त्रेता युग का अनुभव कराएंगे संस्कृति विभाग के मंच, श्रीरामलला के विराजमान होने के बाद पहला दीपोत्सव, पहले से अधिक भव्य,अद्वितीय होगा अयोध्या दीपोत्सव, दीपोत्सव के लिए 10 बड़े सांस्कृतिक मंचों का निर्माण।

बांदा– पति ने पत्नी को बोला 3 बार तलाक, गहने, सामान देने से मना करने पर दिया तलाक, पति पत्नी में पहले से कोर्ट में चल रहा केस, पीड़ित ने पुलिस पर लगाया पति से मिले होने का आरोप, तिंदवारी थाना क्षेत्र के तिंदवारी कस्बे के मामला।

रायबरेली– प्रभारी मंत्री राकेश सचान रायबरेली पहुंचे, महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव भी मौजूद, दंगल के कार्यक्रम में की शिरकत, 25 वर्षों से लगातार हो रहा है दंगल का कार्यक्रम, महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा, कौरव, पांडव की तरह एक हुई कांग्रेस व सपा– अपर्णा, अपर्णा यादव ने कहा धर्म युद्ध की तरह है उपचुनाव, लोग बंटे नहीं एक होकर ठश्रच का करें समर्थन– अपर्णा।

अम्बेडकरनगर– स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम उजागिर पाण्डेय का निधन, सेनानी राम उजागिर के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर, 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में लिया था हिस्सा, 105 वर्ष की उम्र में राम उजागिर पाण्डेय का हुआ निधन।

दिल्ली– प्रदूषण के विरुद्ध 'आप' सरकार का नया अभियान, 'रेड लाइट ऑन–गाड़ी ऑफ अभियान' की शुरूआत, लोगों से रेड लाइट पर गाड़ी बंद रखने की अपील, मंत्री गोपाल राय ने आईटीओ से अभियान की शुरुआत की, 24 को बाराखंभा रोड पर चलाया जाएगा अभियान, 26 को दिल्ली गेट चौराहा पर चलाया जाएगा अभियान, पंजाब में पराली जलने की घटना में कमी–गोपाल राय।

लखीमपुर में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी: बच्चों के अनोखे मॉडल ने सबको किया मंत्रमुग्ध

स्पर्श सिन्हा

'लखीमपुर (संज्ञान दृष्टि)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी ने सभी को प्रभावित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में किया गया, जिसमें समस्त विकास क्षेत्रों से चयनित 80 बच्चों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन के साथ हुआ। खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय देवेश राय ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि विज्ञान बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत बच्चों द्वारा बनाए गए अनूठे मॉडलों की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में

वैज्ञानिक सोच का निर्माण करते हैं। इसी क्रम में कार्यक्रम के दौरान ही विज्ञान प्रश्न मंच का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विकास क्षेत्रों की टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल राउंड में विकास क्षेत्र नकहा और बेहजम की टीमें आमने–सामने थीं, जिसमें नकहा की टीम ने विजयी होकर सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया।

'सर्वश्रेष्ठ छात्र–छात्राओं को मिला सम्मान'–विज्ञान प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ पांच छात्र–छात्राओं को टैबलेट प्रदान किए गए। इनमें आर्या (उच्च प्राथमिक विद्यालय कन्या, पसगवां), मोहम्मद सोहेल (चटोरा, मितौली), निशांत (खंभारखेड़ा, फूलबेहड़), शशांक (बीजापुर, कुंभी) और अमित कुमार (जगसड़, नकहा) शामिल रहे। सभी चयनित बच्चों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी और अन्य अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र, स्टेशनरी किट, और विज्ञान पुस्तकें भी प्रदान की गईं। निर्णायक मंडल में डाएट प्रवक्ता अतुल मिश्रा और सैय्यद मोहम्मद एजाज शामिल थे।

जिन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस सफल कार्यक्रम में समस्त एसआरजी, विकास क्षेत्रों के एआरपी, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, छात्र–छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

थाना अध्यक्ष रविंद्र सिंह के अगुवाई में निकाला गया पैदल मार्च

शशिभूषण दूबे

उसका बाजार, सिद्धार्थ नगर (संज्ञान दृष्टि)। आगामी धनतेरस, दीपावली और छठ पर्व आदि त्यौहार को देखते हुए थानाध्यक्ष उसका बाजार रविंद्र सिंह के द्वारा पुलिस बल से साथ कस्बा में पैदल मार्च किया गया।

यह पैदल मार्च नगर पंचायत उसका बाजार के विभिन्न वार्डों में तथा पुलिस सहायता केंद्र उसका राजा से रेलवे क्रासिंग तक निकाला गया।पुलिस द्वारा पैदल मार्च करते हुए लोगो की सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच पड़ताल भी किया गया।

जिलाधिकारी ने कर–करेत्तर, राजस्व वसूली एवं राजस्व वादों की मासिक समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

मुकेश शर्मा

रायबरेली (संज्ञान दृष्टि)। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में कर– करेत्तर, वसूली एवं राजस्व वादों की मासिक समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम व तहसीलदारों से कहा कि अपने क्षेत्रों में राजस्व कार्यों की प्रगति के लिए नियमित रूप से निरीक्षण कर लक्ष्यों की प्राप्ति करें। उन्होंने आबकारी विभाग को निर्देशित किया कि शराब की दुकानों पर नियमित रूप से जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करें। परिवहन विभाग से माह की प्रगति जान अवैध वाहनों एवं यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर चालान करने की गति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में विद्युत, व्यापार कर, खनन, स्टाम्प, बैंक, नगर निकाय सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा कर कम वसूली वाले विभागों को प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारी/तसीलदारों से कहा कि बड़े बकायेदारों पर विशेष ध्यान देते हुए वसूली की जाए।

जिलाधिकारी ने अवैध कब्जा हटाओ अभियान में नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंश निराधार निस्तारण के लिए कहा कि कैंपध्खुली बैठकों के माध्यम से नियमानुसार कार्यवाही करें। उन्होंने फूड सेफ्टी के संबंधित अधिकारी के निर्देश दिए कि जांच आदि में तेजी लाकर नियमानुसार संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने नगरीय क्षेत्र के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में भी ईकाईयों से कर आदि की वसूली का कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग कर की वसूली में अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्रत्येक दशा में प्राप्त कराना सुनिश्चित कराये। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (विध्रा) अमृता सिंह,अपर जिलाधिकारी (प्र) सिद्धार्थ, नगर मजिस्ट्रेट सहित समस्त उप जिलाधिकारी/तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लखीमपुर में हेमंत तिवारी का भव्य स्वागत: पत्रकारों के मुद्दों पर हुई चर्चा

स्पर्श सिन्हा

'लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। उत्तर प्रदेश राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त संवाददाता समित के अध्यक्ष एवं संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हेमंत तिवारी का लखीमपुर में भव्य स्वागत किया गया। यह स्वागत समारोह यू पी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन शाखा लखीमपुर खीरी द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें हेमंत तिवारी के लगातार पांचवी बार अध्यक्ष निर्वाचित होने पर खुशी मनाई गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलदीप पाहवा ने की। इस अवसर पर हेमंत तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष टी बी सिंह और अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। कुलदीप पाहवा ने कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से संबंधित कई समस्याएं उठाईं, जिनमें पत्रकार पेंशन, संपादक कार्ड, मान्यता स्थाई समिति, प्रेस क्लब का निर्माण और पत्रकार आवास जैसी मांगें शामिल थीं। हेमंत तिवारी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वह सदैव पत्रकार हितों के लिए लड़ते रहेंगे। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे सभी राज्यों में पत्रकारों को पेंशन मिल रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश में अब तक यह सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई है। तिवारी ने आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री ने पेंशन के मामले में सहमति दी है और जल्द ही पत्रकारों को पेंशन मिलने लगेगी। स्थाई समिति के गठन पर उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के समय में शासनादेश जारी हुआ था, लेकिन कुछ जिलों से अभी भी शिकायतें आ रही हैं। इसके लिए वह शीघ्र ही मुख्य सचिव से चर्चा करेंगे। टी बी सिंह ने भी पत्रकारों की पेंशन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और तिवारी की कार्यशैली की सराहना की, जो पत्रकारों में ऊर्जा का संचार करती है। कार्यक्रम का संचालन महा मंत्री सुबोध शुक्ल ने किया। जिसमें हिंदुस्तान के प्रभारी मयंक बाजपेई, कमल मिश्र, शारिक खान, और सकील अयूबी ने भी अपने विचार रखे। इस स्वागत समारोह में शक्तिधर त्रिपाठी, रमेश मिश्र, चन्द्र शेखर शुक्ल, प्रतीक श्रीवास्तव, रितेश भसीन, स्पर्श सिन्हा, सर्वेश शुक्ला, शबाब खान और कई अन्य पत्रकार मौजूद रहे। यह आयोजन लखीमपुर में पत्रकारों के मुद्दों को उठाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

मध्य प्रदेश में विपक्षी गठबंधन में फूट, सपा ने घोषित किया उम्मीदवार

लखनऊ (यूएनएस)। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दल गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने का दावा और वादा कर रहे हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में उनका यह गठबंधन बिखरता नजर आ रहा है। क्योंकि राज्य में होने वाले विधानसभा के उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। राज्य के दो विधानसभा क्षेत्रों बुधनी और विजयपुर में उपचुनाव हो रहे हैं और 13 नवंबर को मतदान होना है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों सीटों के लिए अपने–अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। इसी बीच समाजवादी पार्टी ने बुधनी से अर्जुन आर्य को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। अर्जुन आर्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव पद से इस्तीफा देकर सपा में शामिल हुए हैं।

ज्ञात हो कि विपक्षी दलों ने आईएनडीआईए मोर्चा बनाया है और सभी मिलकर समय–समय पर एक मंच पर आकर चुनाव लड़ने का दावा और वादा करते रहे हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर उम्मीदवार को लेकर मंथन भी किया। कांग्रेस ने बुधनी से पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल को उम्मीदवार बनाया और यह सूची आने के कुछ समय बाद ही समाजवादी पार्टी ने रविवार देर रात को बुधनी से अपना अर्जुन आर्य को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता यश भारतीय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए अर्जुन आर्य को प्रत्याशी बनाया है। अर्जुन आर्य समाजवादी पार्टी के पुराने युवा नेता रहे हैं, उन्हें समाजवादी पार्टी के युवा फ्रंटल संगठनों का प्रभारी भी बनाया गया था। बुधनी उपचुनाव में प्रत्याशी बनाए जाने के साथ अर्जुन आर्य की समाजवादी पार्टी में घर वापसी हुई है।

वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक और बुधनी के लिए उम्मीदवार चयन करने को बनाई गई कमेटी के सदस्य शैलेंद्र पटेल ने कहा है कि दोनों ही दलों के बीच आपसी समन्वय के बाद ही कांग्रेस ने उम्मीदवार घोषित किया है अभी नामांकन की अंतिम तारीख और नाम वापसी की तारीख शेष है। उन्हें उम्मीद है कि बात बन जाएगी।

महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन के लिए सरकार संकल्पबद्ध 'श्री केशव प्रसाद मौर्य

संज्ञान दृष्टि टीम

लखनऊ (संज्ञान दृष्टि)। पूर्व विधायक स्व श्री उपेन्द्र तिवारी जी की पुण्यस्मृति के अवसर पर अपने शाहाबाद (जनपद हरदोई) आगमन के दौरान सोमवार को उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्या ने बड़ा मैदान में विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उनके द्वारा दिव्यांगों को ट्राईसाईकिल वितरित की गयी। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक गतिविधियों की सराहना की। जिला कार्यक्रम विभाग के स्टॉल पर उन्होंने अन्नप्राशन व गोद भराई संस्कार कराया।

अपने सम्बोधन के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक आवासहीन पात्र व्यक्ति को आवास उपलब्ध करा रही है। महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न प्रभावी कदम उठाये गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को टूलकिट व प्रमाणपत्र प्रदान किये। उनके द्वारा बटन दबाकर विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया। राज्यमंत्री, उच्च शिक्षा श्रीमती रजनी तिवारी ने पूर्व विधायक स्व श्री उपेन्द्र तिवारी के योगदान को याद किया तथा कहा कि सरकार की योजनाओं में का लाभ हर पात्र व्यक्ति को दिया जा रहा है।

इस अवसर पर राज्यमंत्री ,स्वतंत्र प्रभार श्री नितिन अग्रवाल, प्रभारी मंत्री श्री असीम अरुण, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती, सांसद हरदोई श्री जय प्रकाश, विधायक सवायजपुर श्री माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू, अजीत सिंह बब्बन व अन्य जनप्रतिनिधिगण व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अनाथ अल्पवयीन मुलीला फूस लावून पळविले

(आरोपीविरुद्ध विविध कलमान्वये गुन्हे दाखल, महागाव शहरातील घटना)

सय्यद मुदस्सीर

यवतमाळ (संज्ञान दृष्टी)। यवतमाळ महागाव प्रेमाच्या आणाभाका घेत शहरातील एका अनाथ अल्पवयीन डी मुलीला २६ वर्षीय तरुणाने प्रेमाच्या जाळ्यात ओढले. तिला फूस लाऊन पळवून नेल्याची खळबळजनक घटना समोर आली आहे. या प्रकरणी न पोलिसांनी आरोपीला पुणे जिल्ह्यातील भोसरी येथून अटक केली आहे. त्याचेविरुद्ध विविध कलमान्वये गुन्हे दाखल केले आहे. सचिन उर्फ बुगा गावंडे (२६) रा दे इंदिरानगर महागाव असे नराधाम आरोपीचे नाव आहे. मिळालेल्या प्राप्त माहितीनुसार महागाव शहरातील इंदिरा नगर येथील २६ वर्षीय तरुणाने अनाथ असलेल्या एका अल्पवयीन मुलीला प्रेमाच्या पाशात ओढले. प्रेमाच्या आणाभाका घेत तिला विश्वासात घेतले. त्यातूनच या अल्पवयीन मुलीला फुस लावून पळवून नेले.या प्रकरणी पोलिसांनी गंभीर दखल घेत मागील चार

दिवसापासून आरोपीला बेड्या ठोकण्यासाठी प्रयत्न केले. त्याच्या मुसक्या आवळण्यासाठी एक पथक पुणे जिल्ह्यात शोधात पाठवले. काल मध्यरात्री आरोपी आणि अनाथ मुलीस पोलिसांच्या पथकाने पुणे जिल्ह्यातील भोसरी येथून ताब्यात घेतले. आज सकाळी महागाव पोलिस स्टेशन ला नराधम आरोपी व पीडित तरुणीचे बायाण नोंदविले आहे. पुढील तपास पोलीस निरीक्षक धनराज निळे, सहाय्यक पोलिस सागर अन्नमवार, सहाय्यक पोलीस निरिक्षक, सरस्वती राठोड ह्या करीत आहेत.

यदि आप संज्ञान दृष्टि पर कोई विज्ञापन देना चाहते है या किसी अन्य प्रकार के व्यावसायिक अनुबंध के इच्छुक है तो हमे
sangyandristinewspaper@gmail.com
पर ईमेल कर सकते हैं।
व्हाटसएप नम्बर

व्हाट्सएप पर सम्पर्क
70800–49049

Website :
www.sangyannews.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक प्रांजल श्रीवास्तव द्वारा मंजुला आफसेट, काशीनगर, लखीमपुर–खीरी से मुद्रित तथा 132/2 काशीनगर चोपड़ा इंडस्ट्री लखीमपुर–खीरी, उ0प्र0 से प्रकाशित

(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पीआरबी एक्ट के